

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमति क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 531]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 28 अगस्त 2019 — भाद्रपद 6, शक 1941

सहकारिता विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2019

अधिसूचना

क्रमांक/एफ 15-35/15-2/2019/26/27. — सहकारी सोसाइटियों के रजिस्ट्रार से प्राप्त प्रतिवेदन दिनांक 06.07.2019 से राज्य सरकार को यह समाधान हो गया है कि, लोकहित में विकास कार्यक्रमों के समुचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि जिला बालोद छत्तीसगढ़ की कतिपय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों का पुनर्गठन किया जाए।

अतएव छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा 16-ग की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शवितयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतदद्वारा, प्रदेश के प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों को पुनर्गठित करने के लिए पुनर्गठन योजना “जिला बालोद, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019” जारी करता है, इस पुनर्गठन योजना को कार्यान्वित किया जाए।

संलग्न :— पुनर्गठन योजना, 2019

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी.एस. सर्पराज, उप-सचिव.

**जिला बालोद, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की
पुनर्गठन योजना, 2019**

01. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ तथा विस्तार :-

- (क) यह योजना “जिला बालोद, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019” कहलाएगी।
- (ख) यह योजना छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावशील होगी।
- (ग) यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बालोद की उन प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों के लिए लागू होगी, जो अनुसूची एक, दो एवं तीन में अधिकथित हैं।

02. परिभाषाएँ :- इस योजना में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

- (क) “अधिनियम” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 (क्र. 17 सन् 1961)।
- (ख) “नियम” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी नियम, 1962।
- (ग) “पुनर्गठन” से अभिप्रेत है, इस योजना में अधिकथित अनुसार किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र आस्तियों, दायित्वों तथा सदस्यता आदि का किसी अन्य सोसाइटी को भागतः या पूर्णतः अन्तरण अथवा विभाजन द्वारा नवीन सोसाइटी का गठन।
- (घ) “प्रभावित सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिससे किसी अन्य सोसाइटी को कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।
- (ङ) “परिणामी सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिससे किसी प्रभावित सोसाइटी का कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।
- (च) “नवीन सोसाइटी” से अभिप्रेत है, कोई ऐसी सोसाइटी जो विद्यमान नहीं हो परन्तु जिसे इस योजना के परिणामस्वरूप रजिस्ट्रीकृत किया जाए।
- (छ) “बैंक” से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग।
- (ज) “रजिस्ट्रार” से अभिप्रेत है, सहकारी सोसाइटियों का रजिस्ट्रार अथवा छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रार की शक्तियां जिससे प्रयोक्त हों।

03. पुनर्गठन की रीति :-

- (क) किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र, आस्तियों, दायित्वों, कर्मचारी वृन्द तथा सदस्यता आदि को किसी अन्य एक या अधिक विद्यमान सोसाइटियों को भागतः या पूर्णतः अन्तरित करके, या
- (ख) किसी विद्यमान सोसाइटी या सोसाइटियों को दो या अधिक नवीन सोसाइटियों में विभाजित करके, या
- (ग) किसी विद्यमान सोसाइटी या किन्हीं विद्यमान सोसाइटियों को उक्त (क) एवं (ख) दोनों में उल्लेखित रीतियों से; किया जायेगा।

04. पुनर्गठन :- नियत तिथि से -

- (क) “अनुसूची-एक” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कार्यक्षेत्र उसी के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा।
- (ख) “अनुसूची-दो” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों का विभाजन कॉलम (3) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों में हो जाएगा तथा ऐसी नवीन सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र कॉलम (4) में उनके समक्ष अधिकथित अनुसार होंगे।
- (ग) “अनुसूची-तीन” के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा तथा कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (5) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों का कार्यक्षेत्र हो जाएगा।

05. पुनर्गठन की प्रक्रिया :-

(क) इस योजना की एक प्रति प्रभावित सोसाइटियों को भेजी जावेगी, जिस पर वे अपना अभ्यावेदन 15 दिवस की समयावधि में प्रस्तुत कर सकेंगे।

(ख) इस योजना के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिवस की समयावधि में प्रभावित एवं परिणामी सोसाइटी का सदस्य लिखित अभ्यावेदन संबंधित जिले के उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं के समक्ष तीन प्रतियों में प्रस्तुत कर सकेगा।

(ग) प्राप्त अभ्यावेदनों को संबंधित जिले के उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं द्वारा परीक्षण कर अभिमत सहित रजिस्ट्रार को प्रस्तुत किया जायेगा। रजिस्ट्रार अपने अभिमत सहित राज्य सरकार के समक्ष उनके प्राप्त होने की तिथि से 15 दिवस की समयावधि में प्रस्तुत करेगा। अभ्यावेदन निराकरण के लिए नवीन सोसाइटी के गठन के संबंध में निम्नांकित मार्गदर्शी बिन्दुओं को यथासंभव ध्यान में रखा जावेगा :—

(एक) सोसाइटी का ऋण वितरण सामान्य क्षेत्र के लिए 2.00 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित क्षेत्रों के समितियों के लिए 1.00 करोड़ रुपये हों।

(दो) सोसाइटी के कार्यक्षेत्र में कृषि योग्य रकबा सामान्य क्षेत्र में कार्यरत सोसाइटी के लिए 1500 हेक्टेयर तथा अनुसूचित क्षेत्र में कार्यरत सोसाइटी के लिए 2000 हेक्टेयर होगा।

(तीन) सोसाइटी का कार्यक्षेत्र सामान्य क्षेत्र में कार्यरत सोसाइटी के लिए 10 किमी तथा (घ) अनुसूचित क्षेत्र में कार्यरत सोसाइटी के लिये 20 किमी होगा।

(चार) सोसाइटी की सदस्यता न्यूनतम 750 होगी।

(पाँच) पुनर्गठन में ग्राम पंचायत एवं पटवारी हल्का का विच्छण न हो, अर्थात् एक ग्राम पंचायत व एक पटवारी हल्का के समस्त ग्राम एक ही सोसाइटी में हो।

(छ:) सोसाइटी का कार्यक्षेत्र दो विकासखण्ड या दो तहसीलों में न हो।

(सात) सोसाइटी के ग्राम यथा संभव एक ही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हो।

(आठ) सोसाइटी मुख्यालय में पहुंच हेतु नदी, नाले आदि बाधक न हो।

(नौ) सोसाइटी का मुख्यालय यथासंभव वहीं हो, जहां पर गोदाम, अन्य आधारभूत संरचना निर्मित हो।

(घ) राज्य सरकार द्वारा अभ्यावेदनों का निराकरण अधिकतम 30 दिवस के भीतर किया जाएगा।

(ङ) अभ्यावेदनों पर राज्य सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(च) इस योजना की प्रति बैंक को दी जाएगी, प्रति प्राप्त हो जाने के पश्चात् 15 दिवस की समयावधि में बैंक का बोर्ड उस पर विचार करके प्रस्तावित पुनर्गठन योजना के सम्बन्ध में परामर्श लिखित रूप से रजिस्ट्रार के समक्ष प्रस्तुत करेगा, ऐसे परामर्श को रजिस्ट्रार अपने अभिमत के साथ राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा और राज्य सरकार उस पर अपना विनिश्चय यथाशीघ्र करेगी।

(छ) प्राप्त अभ्यावेदनों तथा बैंक से प्राप्त परामर्श पर सम्यक विचारोपरान्त यदि राज्य सरकार चाहे तो इस योजना में आवश्यक परिवर्तन, उपान्तरण, संशोधन कर सकेंगी तथा अंतिम प्रकाशन किया जायेगा, जो सभी पक्षों पर बंधनकारी होगा, तदुपरांत संबंधित प्राधिकारी यथाशीघ्र आवश्यक आदेश तथा अन्य सभी आवश्यक कार्यवाहियाँ करेंगे।

06. सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व :-

(क) प्रभावित सोसाइटियों के अपवर्जित कार्यक्षेत्र से संबंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व उन परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित हो जाएंगे जिन्हें ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र अन्तरित हुए हों।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र जिनसे नवीन सोसाइटियों का गठन हो रहा हो, से सम्बंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व नवीन सोसाइटियों की सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व होंगे।

(ग) आस्तियों तथा दायित्वों का विभाजन करने के लिए सामान्यतया 30 जून, 2019 की स्थिति में सदस्यों पर अवशेष ऋण को आधार माना जाएगा।

07. रजिस्ट्रेशन / निरसन :—

(क) इस योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप जिन नवीन सोसाइटियों का गठन होना आशायित होगा उनके रजिस्ट्रीकरण के आदेश, प्रमाण पत्र तथा उपविधियां रजिस्ट्रार के द्वारा या उसके अधीनस्थ ऐसे संयुक्त/उप/सहायक रजिस्ट्रार के द्वारा तैयार किये एवं जारी किये जाएंगे, जो अधिनियम की धारा 9 के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने के लिए सशक्त होगा।

(ख) जहाँ आवश्यक हो वहाँ ऐसी प्रभावित सोसाइटियों, जिनके अस्तित्व को बनाये रखना आवश्यक नहीं होगा, के रजिस्ट्रीकरण को सक्षम अधिकारी द्वारा संबंधित विधि अनुसार रद्द किया जावेगा।

08. प्रबन्ध :—

(क) योजना प्रभावशील होने के साथ ही प्रभावित सोसाइटियों तथा परिणामी सोसाइटियों में जहाँ कहीं निर्वाचित बोर्ड होगा, वह तथा ऐसी सोसाइटी का प्रतिनिधि कार्य करने से परिवर्त हो जाएगा तथा सोसाइटी के कामकाज का प्रबंध करने के लिए, उप/सहायक पंजीयक के आदेश द्वारा किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को अस्थायी रूप से आदेश में उल्लिखित कालावधि तक के लिए अथवा बोर्ड के नये निर्वाचन होने तक के लिए नियुक्त किये जा सकेंगे। एकाधिक व्यक्तियों की दशा में कोई एक व्यक्ति को अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। परन्तु अशासकीय व्यक्ति/व्यक्तियों को नियुक्त करने की दशा में वह या वे ऐसे व्यक्तियों में से होंगे जो उस सोसाइटी के सदस्य हो।

(ख) नवीन सोसाइटियों का प्रबन्ध, उसे रजिस्ट्रीकृत करने वाले अधिकारी के आदेश द्वारा अस्थायी रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति या व्यक्तियों में निहित होगा।

(ग) प्रभावित सोसाइटी, परिणामी सोसाइटी तथा नवीन सोसाइटी का प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधि का नया निर्वाचन होने तक वह व्यक्ति करेगा जिसे उपरोक्त कंडिका (क) में विहित अनुसार नियुक्त किया गया हो परन्तु व्यक्तियों की दशा में उनके संकल्प द्वारा प्रतिनिधि की नियुक्ति की जाएगी।

09. कर्मचारीवृन्द :—

(क) नवीन सोसाइटियों में प्रबन्धक की नियुक्ति नियमों के अनुसार की जाएगी।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के कर्मचारीवृन्द अन्तरित कार्यक्षेत्र के अनुरूप परिणामी सोसाइटियों के कर्मचारी हो जाएंगे।

10. अधिकार, हित और कर्तव्य आदि :—

(क) परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित, कर्तव्य बाध्यताएँ आदि उनमें ही निहित होंगी।

(ख) नवीन सोसाइटियों में उनके कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित, कर्तव्य, बाध्यताएँ आदि निहित होंगी।

11. विवाद :— इस योजना से प्रभावित सदस्यता, आस्तियों, दायित्यों एवं कर्मचारीवृन्द विषयक कोई भी विवाद अधिनियम की धारा 64 के अधीन संयुक्त पंजीयक/पंजीयक द्वारा निराकृत किया जाएगा।

12. आदेश जारी करने की शक्तियां :— इस योजना के क्रियान्वयन में आने वाले कठिनाइयों, समस्याओं, विवादों आदि को दूर करने तथा योजना के क्रियान्वयन को सुकर बनाने के लिए राज्य सरकार तथा रजिस्ट्रार ऐसे अनुषांगिक और परिणामिक आदेश कर सकेंगे जैसा कि परिस्थितियों द्वारा अपेक्षित हो, यह और भी कि रजिस्ट्रार समय-समय पर ऐसा निर्देश/मार्गदर्शन भी जारी कर सकेगा, जैसा कि वह आवश्यक समझे।

संलग्न :— अनुसूची – एक, दो एवं तीन

जिला बालोद, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की
पुनर्गठन योजना, 2019

अनुसूची-एक

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)
1	2	3	4
1	सेवा सहकारी समिति मर्या.बालोद	खैरतराई चरोटा	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. पाररास आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. बेलमाड
2	सेवा सहकारी समिति मर्या.पोणडी	बोरी	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. लाटाबोड
3	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. बरही	साल्हेटोला,सेमरकोन्हा	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. साकरा (क)
4	सेवा सहकारी समिति मर्या. सोरर	सुरा	सेवा सहकारी समिति मर्या. धनेली
5	सेवा सहकारी समिति मर्या. धनोरा	घोलनपुरी, बगदई	सेवा सहकारी समिति मर्या. सोरर
6	सेवा सहकारी समिति मर्या.अरमरीकला	तितुरगहन	सेवा सहकारी समिति मर्या. बासीन
7	सेवा सहकारी समिति मर्या.कंवर	गंगोरीपार फागुनदाह, उसरवारा	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. मिरीटोला
8	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. कोचेरा	भीमकन्हार	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. मुँडिया
9	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. पिनकापार	गिधवा, महाराजपुर	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. खामतराई
10	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. खामतराई	संबलपुर क.	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. नाहंदा
11	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या.गैंजी	सिवनी, कामता, भालुकोन्हा, बटेरा	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. डौण्डीलोहारा
12	सेवा सहकारी समिति मर्या.गुण्डरदेही	खल्लारी	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. कलंगपुर
13	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. भण्डेरा	पसौद	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. देवरी
14	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. मुँडिया	सु परसाडीह	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. भण्डेरा

अनुसूची-दो

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	नवीन सोसायटी	नवीन सोसायटी का कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)
1	2	3	4
1	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., बेलमांड	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., परसोदा	परसोदा, सोहतरा, चिचबोड, अंगारी
2	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., बरही	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., मुल्लेगुडा (हर्राठेमा)	मुल्लेगुडा(हर्राठेमा), गोडपाल, मालगांव, मुल्ले
3	सेवा सहकारी समिति मर्या., धनेली	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., दर्दा	दर्दा, दियाबाती
4	सेवा सहकारी समिति मर्या., गुरुर		खर्रा, दुबचेरा,
5	सेवा सहकारी समिति मर्या., बासीन		नरबदा, सरबदा
6	सेवा सहकारी समिति मर्या., पलारी	सेवा सहकारी समिति मर्या., अरकार	अरकार, हसदा, डोडोपार, बोहारा
7	सेवा सहकारी समिति मर्या., गुरुर	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., कनेरी	कनेरी,
8	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या., मिर्रिटोला		भेजामैदानी, नवागांव
9	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या., मोखा		डोकला, कुलिया,
10	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या., मोखा	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या., हितेकसा	हितेकसा, मंगचुवा, रूपूटोला, नगझर, गोटाटोला, बडभूम, पेटेचुवा, जंगलीभेजा, नगबेलडीह, दुग्गाबाहरा, नारागांव,
11	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या.,मिर्रिटोला	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या.,कोचवाही	अलोरी, कंकालीन, कर्झर, ओनाकोना, मुसकेरा, भैसमुडी, पोढ, मुजालगोंदी, कोचवाही
12	सेवा सहकारी समिति मर्या.कसौंदा	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या., तवेरा	तवेरा
13	सेवा सहकारी समिति मर्या. कचांदुर		मच्चौद,
14	सेवा सहकारी समिति मर्या. कलंगपुर		टेकापार, रुदा,
15	सेवा सहकारी समिति मर्या., सिर्पि	आ.जा सेवा सहकारी समिति मर्या., राहूद	राहूद, मुण्डरा,
16	सेवा सहकारी समिति मर्या., भाठागांव आर		परसाही
17	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या., कोडेवा	सेवा सहकारी समिति मर्या., परसतराई	परसतराई, परना, परसवानी, बोरगहन
18	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.देवरी	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. सिंगारपुर	फरदफोड़, झिटिया,
19	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. जेवरतला		अंवरी, गंधरी, किसना, रानीतराई(कि.) सिंगारपुर
20	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.नाहंदा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., चे.ब.नवागांव	मुझगहन, चे.ब.नवागांव, मुडखुसरा,सिर्पाठा, बोईरडीह
21	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.भण्डेरा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., अछोली	अछोली, कापसी, सोरली, खैरीडीही
22	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. मुडिया		कोसमी, परसाडीह ज., आलीखुटा
23	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.खेरथा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., राणाखुज्जी	राणाखुज्जी, मडवापथरा, भरनाभाठ, आलीवरा, दुमरघुचा, संजारी, धुमादाह, गंईडीह, बर्पारा, बैंदरचुआ
24	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. पिनकापार	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., मनकी	मनकी, साल्हे, राधोनवागांव, रीवागहन,
25	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. डौण्डीलोहारा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. संबलपुर	संबलपुर, कोटेरा, रायपुरा, सेमरडीह, अंडी, धनगांव

1	2	3	4
26	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. पापरा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., कोबा	कोबा, खैरा, कुम्हालोरी दुबचेरा
27	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., कोचेरा		
28	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. भंवरमरा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. कोडेकसा	कोडेकसा, बड़ाजुगेंरा, रूपुटोला, केरीजुगेंरा, बरडीह, चिखली, झीकाटोला, खड़बत्तर, ढुटामारदी, पीपरखार
29	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.मंगचुवा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. कमकापार	कमकापार, कुरुभाठ, टेकापर, पिडीयाल, हितापठार, सुदरनगर, मुड़पाड़, तुयेगोंदी
30	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.डौण्डी	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. गुदुम	गुदुम, अवारी, मरकाटोला, पैवारी
31	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. कुआगोंदी		पुसावड़
32	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. भर्णीटोला	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.आमाडुला	आमाडुला, किसनपुरी, मथेना, चिहरो, साल्हे, पुतरवही
33	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या.घोटिया	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. मंगलतराई	मंगलतराई, बेलोदा, गोटुलमुडा, अरजगुन्डरा, केसोपुर, मर्माखेड़ा, सिघोंला, कजेली, परसविहरी, खुर्साईटिकुर, परकालकसा, आमाबाहरा
34	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या. कुसुमकसा	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., गुजरा	गुजरा, भैंसबोड़, सुवरबोड़, जमही, अड्जाल, खल्लारी, दानीटोला, बनगांव, बोरीद
		आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., विटाल	विटाल, हितकसा, जाबुडवाही, झरनदल्ली, धोबेदण्ड, झिकाटोला, कोण्डेकसा, पुतरवही, खम्हारटोला, चिखलकसा
35	सेवा सहकारी समिति मर्या.कांदुल	आ.जा.सेवा सहकारी समिति मर्या., कोटगांव	कोटगांव, रेहची, खेरूद, सनौद
36	सेवा सहकारी समिति मर्या. कोडेवा		झीका
37	सेवा सहकारी समिति मर्या.पिरीद	सेवा सहकारी समिति मर्या., कुरदी	कुरदी, चौरेल, ढुण्डेरा, नवागांव, लासाटोला, बासीन
38	सेवा सहकारी समिति मर्या.ओड़ारसकरी	सेवा सहकारी समिति मर्या., भिलाई	भिलाई, तिलखैरी, गोरकापार, चीचा, सलौनी
39	सेवा सहकारी समिति मर्या.पाररास	सेवा सहकारी समिति मर्या., तरौद	तरौद, मनौद, खुर्सीपार, खेरथाडीह, अमलीडीह, दैहान
40	सेवा सहकारी समिति मर्या.अरमरीकला	सेवा सहकारी समिति मर्या., मोहारा	मोहारा, पड़कीभाठ, ओझागहन, जेवरतला, मुड़पार
41	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या.सुरेगांव	सेवा सहकारी समिति मर्या., भालुकोन्हा	भालुकोन्हा, मनकी, कठिया, बीजाभाठा, पिनकापार, केंवटनवागांव
42	आ.जा. सेवा सहकारी समिति मर्या. चिल्हाटी	सेवा सहकारी समिति मर्या., दुधली	दुधली, बनगांव, रेंधई, खपरी, कलकसा

अनुसूची—तीन

क्र.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित क्षेत्र)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)	नवीन सोसाइटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है
1	2	3	4	5
निरंक				